# ब्रेन इंटरनेशनल स्कूल

विषय–हिंदी कक्षा – नौ **Assignment जुलाई 2018–19**

**प्रश्न 1.निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए**

अरे! चाटते जूठे पत्ते जिस दिन देखा मैंने नर को
उस दिन सोचा क्यों न लगा दूँ आज आग इस दुनिया भर को?
यह भी सोचा क्यों न टेंटुआ घोटा जाए स्वयं जगपति का?
जिसने अपने ही स्वरूप को रूप दिया इस घृणित विकृति का।
जगपति कहाँ? अरे, सदियों से वह तो हुआ राख की ढेरी;
वरना समतासंस्थापन में लग जाती क्या इतनी देरी?
छोड़ आसरा अलख शक्ति का, रे नर स्वयं जगपति तू है,
तू यदि जूठे पत्ते चाटे, तो तुझ पर लानत है, थू है।
ओ भिखमंगे, अरे पराजित, ओ मजलूस, अरे चिर दोहित,
तू अखंड भंडार शक्ति का, जाग और निद्रासम्मोहित,
प्राणों को तड़पाने वाली हुंकारों से जलथल भर दे,
अनाचार के अम्बारों में अपना ज्वलित पलीता भर दे।
भूखा देख तुझे गर उमड़े आँसू नयनों में जगजन के
तो तू कह दे नहीं चाहिए हमको रोने वाले जनखे,
तेरी भूख, असंस्कृति तेरी, यदि न उभाड़ सके क्रोधानल,
तो फिर समझूँगा कि हो गई सारी दुनिया कायर,निर्बल।

क) भूखे मनुष्य को जूठे पत्ते चाटते देखकर कवि के मन में क्या विचार उठा?
ख) राख की ढेरी कौन हो गया है तथा कवि ने ऐसा क्यों कहा है ?
ग) कवि मनुष्य के अंदर क्या प्रेरणा भर रहा है?
घ) कवि को कैसे लोगों की आवश्यकता नहीं है?
ङ) कविता का उचित शीर्षक लिखें।

**प्रश्न 2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए**

क) लेखक ने अपनी सहनशीलता की अंतिम सीमा क्या निर्धारित की है?
ख) 'मैं कोई तुम्हारी तरह देवता नहीं।' के व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।
ग) अतिथि कब तक देवता कहला सकता है?
घ) मित्रता बोरियत में और भावनाएँ गालियों में कब बदल जाती हैं?
ङ) लेखक के अनुसार अपने घर को 'स्वीटहोम' क्यों कहा जाता है?
च) लेखक के चेहरे पर फूट पड़ने वाली मुस्कान लुप्त क्यों हो गई?
छ) एक को साधने के क्या लाभ हैं?
ज) कवि ने चित्रकूट की क्या महिमा बताई है?
झ) 'बिगरी बात नहीं' दोहे में कवि ने कौनसी नीतिविषयक बात कही है और अपने नीति कथन की पुष्टि किस प्रकार की है?

**प्रश्न 3 संधि विच्छेद कीजिए**

वेदांत वर्गाकार शुभागमन श्रद्धानंद परमाणु सीमांत दयानंद यथार्थ

कपींद्र नदीश नारीश्वर कपीश्वर जानकीश गिरीश कवींद्र हरीश

महोदय महोर्मि राजर्षि देवर्षि तपोबल दुराचार दुष्कर संयोग

**प्रश्न 4 संधि कीजिए**

नै + अक परम + ओज वन + औषध देव + ऐश्वर्य लोक +उक्ति वसंत + उत्सव

मृग + इंद्र रेखा + अंकित सुर + ईश यथा + इष्ट महा +आशय वार्ता +आलाप

**प्रश्न 5 मूलशब्द एवं उपसर्ग अलग कीजिए**

सुगम निःसंदेह सदाचार नास्तिक अपवित्र उत्तराधिकारी बेजोड़ निर्मल अनगिनत लिखावट

**प्रश्न 6 मूलशब्द एवं प्रत्यय अलग कीजिए**

धार्मिक थकावट कठिनाई मूर्खता झपकी सुंदरता आलोकित लुहारिन दयालु

**प्रश्न 7 'स्वास्थ्य की रक्षा' विषय पर 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखें।**